*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** [13]

1. कवि का सपना किसकी स्वतंत्रता पर जोर देता है?
   (A) प्रेम की (B) शक्ति की (C) सपनों की (D) अधिकार की

   उत्तर : (C) सपनों की

2. 'पंख न काटो' से क्या तात्पर्य है?
   (A) पछियों को मत रोको (B) उड़ान से न रोको (C) काटो नहीं (D) दुख न दो

   उत्तर : (B) उड़ान से न रोको

3. 'स्वर्ग बनाने का तिनका' क्या करेगा?
   (A) हवा में उड़ जाएगा (B) धरती को सिखाएगा (C) बादल बन जाएगा (D) दीपक जलाएगा

   उत्तर : (B) धरती को सिखाएगा

4. 'नभ' का समानार्थी शब्द है-
   (A) धरती (B) गगन (C) वायु (D) आकाशगंगा

   उत्तर : (B) गगन

5. सपनों की गति को रोकना किसे रोकना है?
   (A) परिश्रम को (B) कल्पना को (C) लक्ष्य को (D) विचार को

   उत्तर : (B) कल्पना को

6. 'अवरोहण' शब्द का अर्थ है-
   (A) ऊपर जाना (B) नीचे से ऊपर (C) ऊपर से नीचे आना (D) स्थिर रहना

   उत्तर : (C) ऊपर से नीचे आना

7. 'सौरभ' शब्द का क्या अर्थ है?
   (A) हवा (B) रंग (C) खुशबू (D) शक्ति

   उत्तर : (C) खुशबू

8. महादेवी वर्मा का जन्म कहाँ हुआ था?
   (A) लखनऊ (B) इलाहाबाद (C) फर्रुखाबाद (D) कानपुर

   उत्तर : (C) फर्रुखाबाद

9. 'तिनका' किसका प्रतीक है?
   (A) शक्ति (B) सपना (C) बादल (D) विचार

   उत्तर : (B) सपना

10. 'इन सपनों की गति में बाँधो'-यह किस प्रकार का वाक्य है?
    (A) प्रश्नवाचक (B) विस्मयादिबोधक (C) आज्ञासूचक (D) संदेहवाचक

    उत्तर : (C) आज्ञासूचक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

11. 'मत बाँधो' कविता की कवयित्री का नाम क्या है?

(A) सुभद्राकुमारी चौहान (B) महादेवी वर्मा (C) मीरा (D) राही मासूम रजा

उत्तर : (B) महादेवी वर्मा

12. 'धूम गगन में मँडराता है' से क्या भाव है?

(A) उथल-पुथल (B) स्वतंत्र विचरण (C) अशांति (D) गरजना

उत्तर : (B) स्वतंत्र विचरण

13. 'गति न बाँधो' किसके लिए कहा गया है?

(A) मनुष्य के लिए (B) विचारों के लिए (C) सपनों के लिए (D) पक्षियों के लिए

उत्तर : (C) सपनों के लिए

*** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** [10]

14. आकाश पक्षियों का असली ____________ है।

उत्तर : घर

15. कविता का संदेश है कि हमें सबको ____________ का अधिकार देना चाहिए।

उत्तर : स्वतंत्रता

16. कवि ने कहा है कि पिंजरे में डालकर पक्षियों की ____________ मत छीनो ।

उत्तर : आजादी

17. पक्षियों की उड़ान देखकर बच्चों का मन ____________ जाता है।

उत्तर : प्रसन्न

18. पक्षी पेड़ की डाल पर बैठकर ____________ गाते हैं।

उत्तर : मधुर गीत

19. पिंजरे की सलाखें पक्षियों के लिए ____________ बन जाती हैं।

उत्तर : कैद

20. सपने जीवन में नई ____________ देते हैं।

उत्तर : प्रेरणा

21. सपनों के पंख काट देने से उनकी ____________ रुक जाती है।

उत्तर : उड़ान

22. सपनों को रोकने से कल्पनाशक्ति और ____________ नष्ट हो जाती है।

उत्तर : संभावनाएँ

23. हमें किसी के ____________ को बाँधना नहीं चाहिए।

उत्तर : सपनों

*** प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।** [9]

24. कविता का मुख्य उद्देश्य क्या है?

Student Bro

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : व्यक्ति को अपने सपनों की उड़ान भरने की पूरी स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

25. 'इन सपनों के पंख न काटो' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इसका अर्थ है कि किसी की कल्पनाओं और आकांक्षाओं को न रोका जाए।

26. कवयित्री किस तिनके को स्वर्ग बनाने वाला कहती हैं?

उत्तर : वह तिनका जो बादलों और किरणों से सीखकर धरती को सँवारता है।

27. 'गति' शब्द का कविता में क्या महत्त्व है?

उत्तर : 'गति' सपनों के विकास और उनके साकार होने की प्रक्रिया को दर्शाता है।

28. 'धूम गगन में मँडराता है' - यह पंक्ति क्या दर्शाती है?

उत्तर : यह स्वच्छंद उड़ान और स्वतंत्र विचार का प्रतीक है।

29. आरोहण और अवरोहण का प्रयोग किसके लिए हुआ है?

उत्तर : यह सपनों के उठने और व्यवहारिकता में आने की प्रक्रिया को दर्शाता है।

30. कविता में 'स्वर्ग' का अर्थ क्या है?

उत्तर : एक ऐसा संसार जहाँ शांति, सहयोग और संवेदनशीलता हो ।

31. कवयित्री ने किन प्रतीकों का प्रयोग किया है?

उत्तर : कवयित्री ने पंख, तिनका, धुआँ आदि प्रतीकों का प्रयोग कर सपनों की कल्पना शक्ति को दर्शाया है।

32. कवयित्री ने सपनों को क्यों बाँधने से मना किया?

उत्तर : क्योंकि यह स्वर्णिम भविष्य के निर्माण की नींव रखते हैं।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **[10]**

33. कवयित्री ने किन-किन प्रतीकों का प्रयोग किया है?

उत्तर : कवयित्री ने सौरभ, धूम, गगन आदि प्रतीकों का प्रयोग कर स्वप्न और कल्पनाओं को सजीव रूप में प्रस्तुत किया है। ये प्रतीक स्वप्नों की स्वतंत्रता, ऊँचाई और वास्तविकता के संपर्क को दर्शाते हैं।

34. 'आरोहण' और 'अवरोहण' की प्रक्रिया को समझाइए।

उत्तर : आरोहण का अर्थ है ऊपर उठना अर्थात् कल्पना और विचार की ऊँचाई तक पहुँचना। अवरोहण का अर्थ है विचारों का व्यावहारिक रूप लेना अर्थात् विचारों को धरातल पर उतारना।

35. 'इन सपनों की गति न बाँधो' - इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : यह पंक्ति स्वतंत्र सोच और अभिव्यक्ति की माँग करती है। कवयित्री चाहती हैं कि किसी की आकांक्षाओं और प्रयासों में बाधा न दी जाए। इससे ही समाज प्रगति करेगा।

36. कवयित्री सपनों को क्यों नहीं बाँधना चाहती ?

उत्तर : कवयित्री मानती हैं कि सपनों को बाँधना व्यक्ति की रचनात्मकता और स्वतंत्रता को रोकना है। ऐसे सपने ही समाज को दिशा देते हैं। उनकी उड़ान ही उन्हें जीवन में ऊँचाई देती है।

37. कविता में 'स्वर्ग' की कल्पना का वर्णन कीजिए।

उत्तर : कविता में 'स्वर्ग' एक आदर्श संसार का प्रतीक है, जहाँ कोई दु:ख नहीं होता, सभी में परस्पर सहयोग और सद्भाव होता है। यह स्वर्ग कल्पना, कला और स्वतंत्र सोच से निर्मित होता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **[15]**

38. कविता में पक्षियों का प्रतीकात्मक अर्थ क्या है? समझाइए।

उत्तर : कविता में पक्षियों का प्रतीकात्मक अर्थ बहुत गहरा है। पक्षी स्वतंत्रता, मुक्ति और निर्बंधता के प्रतीक हैं। वे खुले आकाश में बिना किसी बाधा के उड़ते हैं, जो मनुष्य की आत्मा की स्वतंत्रता को दर्शाता है। उनका उड़ना सपनों और आकांक्षाओं की पूर्ति का प्रतीक है। पक्षी प्राकृतिक जीवन जीते हैं और किसी भी प्रकार के कृत्रिम बंधन में नहीं बंधते। कवि चाहता है कि मनुष्य भी पक्षियों की तरह मुक्त भाव से जीवन जिए और अपने सपनों को साकार करे।

39. 'मत बाँधो' कविता का समाज के लिए क्या संदेश है?

उत्तर : 'मत बाँधो' कविता का समाज के लिए महत्त्वपूर्ण संदेश है। यह समाज से कहती है कि व्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करें। अक्सर समाज अपनी परंपराओं, रीति-रिवाजों और नियमों के नाम पर व्यक्ति को बाँधता है। कविता संदेश देती है कि हर व्यक्ति को अपने विचार रखने, अपने सपने देखने और अपना रास्ता चुनने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। समाज को चाहिए कि वह व्यक्ति के विकास में सहायक बने, बाधक नहीं। खासकर बच्चों और युवाओं के सपनों को प्रोत्साहित करना चाहिए। यह कविता व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामाजिक सद्भाव के बीच संतुलन की बात करती है।

40. कविता 'मत बाँधो' का मुख्य संदेश क्या है? विस्तार से लिखिए।

उत्तर : कविता 'मत बाँधो' का मुख्य संदेश स्वतंत्रता और मुक्ति का है। कवयित्री कहती हैं कि सपनों, भावनाओं और आकांक्षाओं को बाँधना नहीं चाहिए। जिस प्रकार पक्षी खुले आकाश में उड़ते हैं, उसी प्रकार मनुष्य के मन और विचारों को भी स्वतंत्र रहना चाहिए। कविता में प्रकृति के माध्यम से जीवन की स्वतंत्रता का संदेश दिया गया है। यह बताती है कि बंधन और सीमाएँ व्यक्ति के विकास में बाधक होती हैं। सच्ची खुशी और शांति तभी मिलती है जब व्यक्ति मुक्त भाव से जी सके।

41. 'इन सपनों के पंख न काटो' – इस पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'इन सपनों के पंख न काटो' पंक्ति का भावार्थ यह है कि व्यक्ति के सपनों और आकांक्षाओं को नष्ट नहीं करना चाहिए। पंख काटने का अर्थ है किसी की उड़ान को रोकना, उसकी क्षमताओं को सीमित करना। जब हम किसी के सपनों पर रोक लगाते हैं या उन्हें हतोत्साहित करते हैं, तो यह उनके पंख काटने के समान है। सपने व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कवि संदेश देता है कि हर व्यक्ति को अपने सपने देखने और उन्हें पूरा करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। यह समाज और परिवार से अपील है।

42. कविता के शीर्षक 'मत बाँधो' की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

उत्तर : 'मत बाँधो' शीर्षक अत्यंत सार्थक और उपयुक्त है। यह कविता का मूल भाव व्यक्त करता है। 'मत बाँधो' में निषेधार्थक भाव है जो स्पष्ट रूप से बंधनों का विरोध करता है। यह शीर्षक तुरंत पाठक का ध्यान आकर्षित करता है और कविता के संदेश को स्पष्ट करता है। दो शब्दों में पूरी कविता का सार छिपा है। यह आदेशात्मक शैली में है जो प्रभावशाली है। शीर्षक से ही पता चल जाता है कि कविता स्वतंत्रता की पक्षधर है। यह संक्षिप्त, स्पष्ट और याददाश्त में रहने वाला है। कविता की हर पंक्ति इस शीर्षक को सार्थक बनाती है।

*** निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए।** **[15]**

अग्नि सदा धरती पर जलती
धूम गगन में मँडराता है!
सपनों में दोनों ही गति हैं
उड़ कर आँखों में आता है!
इसका आरोहण मत रोको

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

इसका अवरोहण मत बाँधो !

43. अग्नि कहाँ जलती है?

(अ) गगन में (ब) पानी में

(स) धरती पर (द) हवा में

44. धूम कहाँ मंडराता है?

(अ) धरती पर (ब) गगन में

(स) पानी में (द) पाताल में

45. किसका आरोहण न रोकने को कहा गया है?

(अ) अग्नि का (ब) धूम का

(स) सपनों का (द) आकाश का

46. 'सपनों में दोनों ही गति हैं' से क्या अभिप्राय है?

47. 'उड़ कर आँखों में आता है!' पंक्ति का क्या भाव है?

उत्तर : 1. (स) धरती पर

2. (ब) गगन में

3. (स) सपनों का

4. इसका अभिप्राय है कि सपने हमें कल्पना की ऊँचाइयों पर भी ले जाते हैं और साथ ही वे हमारी आँखों के सामने यथार्थ रूप में भी प्रकट हो सकते हैं।

5. इस पंक्ति का भाव है कि सपने केवल कल्पना तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे साकार होकर हमारी आँखों के सामने यथार्थ का रूप ले लेते हैं।

मुक्त गगन में विचरण कर यह
तारों में फिर मिल जाएगा,
मेघों से रंग औ' किरणों से
दीप्ति लिए भू पर आएगा।
स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्प
भूमि को सिखलायेगा !
नभ तक जाने से मत रोको,
धरती से इसको मत बाँधो !
इन सपनों के पंख न काटो
इन सपनों की गति न बाँधो !

48. सपनों को कहाँ विचरण करने को कहा गया है?

(अ) घर में (ब) मुक्त गगन में

(स) पानी में (द) जंगल में

49. सपने किससे दीप्ति लेंगे?

(अ) तारों से (ब) किरणों से

(स) मेघों से (द) जल से

50. क्या बनाने का शिल्प भूमि को सिखलाया जाएगा?

(अ) घर (ब) स्वर्ग

(स) पुल (द) मंदिर

51. सपनों के विचरण से धरती पर क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा?

52. 'शिल्प' शब्द का प्रयोग यहाँ किस संदर्भ में हुआ है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : 1. (ब) मुक्त गगन में
2. (ब) किरणों से
3. (ब) स्वर्ग
4. सपनों के स्वतंत्र विचरण से धरती पर नए विचार, रचनात्मकता और प्रगति आएगी, जिससे यह स्थान स्वर्ग के समान सुंदर और समृद्ध बन जाएगा।
5. 'शिल्प' शब्द का प्रयोग यहाँ रचनात्मकता, कला और निर्माण कौशल के संदर्भ में हुआ है, जिसका अर्थ है कि सपने नए और बेहतर जीवन का निर्माण करना सिखाएँगे।

इन सपनों के पंख न काटो
इन सपनों की गति मत बाँधो।
सौरभ उड़ जाता है नभ में
फिर वह लौट कहाँ आता है?
बीज धूलि में गिर जाता जो
वह नभ में कब उड़ पाता है?

53. इन पंक्तियों में कवयित्री किसे न बाँधने की बात कर रही हैं?
(अ) फूल (ब) सौरभ
(स) सपने (द) बीज

54. सौरभ कहाँ उड़ जाता है?
(अ) धरती (ब) नभ
(स) धूलि (द) पत्तों में

55. धूलि में क्या गिर जाता है?
(अ) फूल (ब) पत्ता
(स) पक्षी (द) बीज

56. कवयित्री किसके पंख न काटने और गति न बाँधने का आग्रह कर रही हैं?

57. 'सौरभ उड़ जाता है नभ में, फिर वह लौट कहाँ आता है?' इस पंक्ति का क्या आशय है?

उत्तर : 1. (स) सपने
2. (ब) नभ
3. (द) बीज
4. कवयित्री सपनों को स्वतंत्र रखने और उनकी असीमित संभावनाओं को रोकने से मना कर रही हैं, क्योंकि सपने ही जीवन को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते हैं।
5. इस पंक्ति का आशय है कि एक बार जब सुगंध फैल जाती है तो वह वापस नहीं आती, उसी प्रकार सपनों को भी एक बार मुक्त कर दिया जाए तो वे अपनी दिशा पा लेते हैं।

----- -----

Student Bro

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in